भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1097
दिनांक 07 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए

विश्व के बच्चों की स्थिति संबंधी रिपोर्ट

1097. श्री उत्तम कुमार रेड्डीः

क्या महिला और बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने यूनिसेफ द्वारा प्रकाशित हालिया ''विश्व के बच्चों की स्थिति'' रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए यह कहा है कि पांच साल से कम उम्र के 69 प्रतिशत बच्चों की मौत कुपोषण के कारण हुई थी और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;
(ख) गत पांच वर्षों के दौरान कुपोषण के कारण होने वाली मौतों की संख्या कितनी है;
(ग) क्या छोटा कद, रक्ताल्पता (एनीमिया) और जन्म के समय कम वजन के मामलों में कमी लाने के लिए 2022 लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक सुधार दर हासिल करने में पोषण अभियान विफल रहा है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ुबिन ईरानी महिला एवं बाल विकास मंत्री

(क और ख) : पांच वर्ष से कम आयु वाले बच्चों की मौत का प्रत्यक्ष कारण कुपोषण नही होता है । यह संक्रमण के प्रतिरोध को कम करके रूग्णता दर और मृत्यु दर को बढ़ा सकता है । सामान्य बच्चों की तुलना में कुपोषित बच्चे किसी भी संक्रमण की चपेट में आ जाते हैं । तथापि, पांच वर्ष से कम आयु वाले कुल बच्चों की मृत्यु–दर 74.3 (एनएफएचएस-3) से कम होकर 49.7 (एनएफएचएस-4) मृत्यु प्रति एक हजार जीवित जन्मे बच्चे हो गई है ।

(ग और घ) : सरकार ने दिनांक 18.12.2017 को पोषण अभियान का गठन किया है । पोषण अभियान का लक्ष्य नीचे दिए गए नियत लक्ष्यों के साथ समयबद्ध ढंग से 0-6 वर्ष की आयु वाले बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषणात्मक स्थिति में सुधार हासिल करना है :

क्र.सं.	उद्देश्य	लक्ष्य
1	बच्चों (0-6 वर्ष) में ठिगनेपन का निवारण एवं उसमें कमी लाना	2% प्रतिवर्ष की दर से
2	बच्चों (0-6 वर्ष) में अल्प-पोषण (अल्प वजन की व्याप्तता) का निवारण एवं उसमें कमी लाना	2% प्रतिवर्ष की दर से
3	छोटे बच्चों (6-59 माह) में रक्ताल्पता की व्याप्तता में कमी लाना	3% प्रतिवर्ष की दर से
4	15-49 वर्ष के आयु वर्ग की महिलाओं एवं किशोरियों में रक्ताल्पता की व्याप्तता में कमी लाना	3% प्रतिवर्ष की दर से
5	जन्म के समय अल्प वजन (एलबीडब्ल्यू) में कमी लाना	2% प्रतिवर्ष की दर से

अभियान का लक्ष्य, जीवनचक्र अप्रोच के ज़रिए तालमेल और परिणामोन्मुख अप्रोच अपनाकर देश में चरणबद्ध ढंग से कुपोषण को कम करना है । अभियान के तहत समयबद्ध सेवाप्रदायगी और दृढ़ मॉनीटरिंग तथा अंत:क्षेप अवसंरचना की व्यवस्था है ।

व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण (सीएनएनएस) (2016-18) की हाल ही की रिपोर्ट के अनुसार बच्चों में ठिगनेपन तथा रक्ताल्पता की व्याप्तता क्रमश: 34.7% तथा 40.5% है, जो एनएफएचएस-4 द्वारा रिपोर्ट किए गए स्तरों की तुलना में कमी दर्शाता है जिसने 38.4% बच्चे ठिगने तथा 58.5% बच्चे रक्ताल्पता वाले बताए थे ।

साथ ही, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-4) के अनुसार एनएफएचएस-3 के तहत बताए गए 21.5% बच्चों की तुलना में 18.2% बच्चे कम वज़नी पैदा हुए थे और एनएफएचएस-4 के अनुसार 53.1% महिलाओं (*15-49 वर्ष) में खून की कमी थी जो विगत एनएफएचएस-3 (2005-06) से कम है जिसने इस आयु वर्ग की 55.3% महिलाओं में खून की कमी बताई थी ।

*****